National Unity Day – Salute to the Unifier of India

National Unity day (also known as Rashtriya Ekta Diwas) is celebrated on 31st of October, the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel. The spirit behind observing the National Unity day is to foster and reinforce our dedication to preserve and strengthen unity, integrity and security of our nation. Rashtriya Ekta Diwas or National Unity Day was introduced by the Government of India in 2014 with the aim of paying tribute on the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel who was instrumental in keeping the nation unified.

A pledge taking ceremony called "Rashtriya Ekta Diwas Pledge" is organised in all government offices, public sectors and public institutions every year on this occasion. The objective of pledge taking ceremony is to bring realization among Indian citizens of the importance of national integrity in defeating the threats to unity and security of the nation.

As part of the various events proposed to be held during the celebrations, a "Run for Unity" is also being organised in the National Capital and other places of the country, involving people from all sections of the society to spread the message of national unity in every part of the nation and the society. In order to boost the sentiments that our nation will not countenance any force that seeks to threaten the unity, integrity and security of our nation, a ceremonial parade, including a March Past by Police and Para-Military Force personnel is also organised at various places in the country every year. The purpose of organizing such programs is to promote national integration among citizens of India as well as maintain unity and integrity of the country.

Sardar Vallabhbhai Patel, popularly known as the Iron Man of India was the first Home Minister and Deputy Prime Minister of the country. He was born on 31st October, 1875, in a small village in Nadiad, Gujarat. From his childhood itself, he was known for his indomitable courage.

Inspired by the work and philosophy of Mahatma Gandhi, Sardar Patel joined India's struggle for Independence. He was one of the important social and political leaders of India who played an important role in India's struggle for freedom. He was elected as Ahmedabad's Municipal President in 1922, 1924 and 1927. He was elected as Congress President in 1931. He played key roles in organising peasants' movements in Kheda, Borsad and Bardoli in Gujarat and promoted the Quit India Movement against the British regime. He organised relief camps for refugees in Punjab and Delhi.

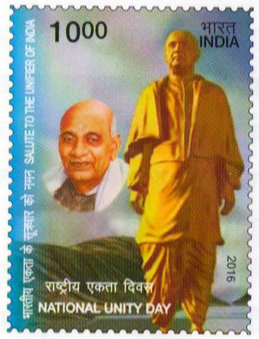
His strength of character, the sharpness of his mind, his organizing skills, and energy were instrumental in achieving the freedom of India. Sardar Vallabhbhai Patel worked hard to make India as Union of India (Ek Bharat). He also requested the people of India to live together by uniting in order to create Shresth Bharat (Foremost India). His dedication towards the national integration was completely uncompromising in order to make a newly liberated united country. Because of his dedication towards the unity in country, and his political wisdom and foresight, he was able to integrate more than 500 independent princely states in 1947 to 1949 through the Independence Act 1947. Sardar Patel is also affectionately remembered as the "Patron saint of India's civil servants" as he established the modern All-India Services system. For his services to the nation Sardar Patel was conferred with Bharat Ratna in 1991. He was a man of courage and determination and in the true sense the 'Iron Man of India'.

On the occasion of birth anniversary celebrations of Sardar Vallabhbhai Patel, Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on "National Unity Day –Salute to the Unifier of India".

Credits:-

Text	:	Based on the material available on internet
Stamp / FDC/ Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



राष्ट्रीय एकता दिवस NATIONAL UNITY DAY

भारतीय एकता के सूत्रधार को नमन
SALUTE TO THE UNIFIER OF INDIA

विवरणिका
BROCHURE

राष्ट्रीय एकता दिवस - भारतीय एकता के सूत्रधार को नमन

राष्ट्रीय एकता दिवस, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्तूबर को मनाया जाता है। राष्ट्रीय एकता दिवस को मनाए जाने का उद्देश्य यह है कि देश के प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने और इसे सुदृढ़ बनाने की भावना जागृत हो और निरंतर बलवती हो। राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने की शुरूआत भारत सरकार द्वारा 2014 में की गई। इसका उद्देश्य, देश को एकता के सूत्र में पिरोने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना था।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सभी सरकारी कार्यालयों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण समारोह मनाया जाता है। शपथ लेने का उद्देश्य यह है कि देश के प्रत्येक नागरिक को, देश की एकता तथा सुरक्षा को खंडित करने वाले तत्वों को परास्त करने की दिशा में राष्ट्रीय अखंडता का महत्व समझाया जाए।

एकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विभिन्न समारोहों में "रन फॉर यूनिटी" अर्थात् एकता दौड़ का आयोजन भी किया जा रहा है। इस दौड़ का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी के साथ-साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में किया जाएगा। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होंगे, जो देश के कोने-कोने में राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे। एकता दिवस के अवसर पर, विभिन्न स्थानों पर पुलिस तथा अर्द्ध-सैनिक बलों द्वारा परेड का भी आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य समस्त देश में इस भावना को और सुदृढ़ बनाना है कि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डालने वाली किसी भी ताकत को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का मुख्य प्रयोजन देश के नागरिकों में राष्ट्रीय एकता के भाव को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ समस्त देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना है।

लौह-पुरूष के नाम से लोकप्रिय सरदार वल्लभभाई पटेल, भारत के प्रथम गृह मंत्री तथा उप प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म, गुजरात के एक छोटे से गांव, नडियाड में 31 अक्तूबर, 1875 को हुआ। बचपन से ही वे अपने अदम्य साहस के लिए जाने जाते थे।

महात्मा गांधी के कार्यों और उनके दृष्टि दर्शन से प्रेरणा पाकर सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए। वे भारत के महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनैतिक नेताओं में से एक थे, जिन्होंने आजादी की जंग में अहम भूमिका निभाई। सरदार पटेल को 1922, 1924 और 1927 में अहमदाबाद नगर पालिका क्षेत्र का अध्यक्ष चुना गया। 1931 में वे कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। सरदार पटेल ने गुजरात के खेड़ा, बोरसाड और बारडोली में कृषक मजदूरों का आंदोलन खड़ा करने में निर्णायक भूमिका निभाई और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन को आगे बढ़ाया। उन्होंने पंजाब और दिल्ली में शरणार्थियों के लिए राहत शिविर भी लगाए।

सरदार पटेल की चारित्रिक शक्ति, कुशाग्र बुद्धि, संगठन कौशल तथा उनकी अदम्य ऊर्जा ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। सरदार पटेल ने भारत को भारत संघ अर्थात् एक भारत बनाने की दिशा में अथक प्रयास किया। उन्होंने जनसामान्य से पुरजोर अपील की कि सब एकता की भावना से रहें ताकि श्रेष्ठ भारत का निर्माण हो सके। गुलामी की बेड़ियो से आजाद हुए भारत को एकता के सूत्र में पिरोने के बृहद उद्देश्य से राष्ट्रीय अखंडता के प्रति उनका समर्पण भाव संपूर्ण था। देश की एकता के प्रति इसी दृढ़ संकल्प और अपनी राजनीतिक समझ तथा दूरदर्शिता के बल पर सरदार पटेल, स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 के अंतर्गत, 1947 से 1949 के बीच 500 से अधिक स्वतंत्र रजवाड़ों को एक बनाने में कामयाब रहे। सरदार वल्लभभाई पटेल ने ही आज की अखिल भारतीय सेवा प्रणाली का सूत्रपात किया था और यही कारण है कि उन्हें स्नेहपूर्वक भारतीय सिविल सेवा तंत्र के जनक के रूप में भी याद किया जाता है। देश सेवा में अमूल्य योगदान के लिए सरदार पटेल को 1991 में भारत रत्न से अलंकृत किया गया। साहस और दृढ़ संकल्प की प्रतिमूर्ति सरदार वल्लभभाई पटेल, सही मायनों में भारत के "लौह-पुरूष" थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में डाक विभाग, "राष्ट्रीय एकता दिवस - भारतीय एकता के सूत्रधार को नमन" विषय पर स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ	:	इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/ विरूपण	:	श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	1000 पैसा 1000 p
मुद्रित डाक टिकटें Stamps Printed	: :	410220 410220
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

The above philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00